This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

. No. of Question Paper : **7467**

Unique Paper Code : **12101101** **IC**

Name of the Paper : **Indian Philosophy**

Name of the Course : **B.A. (Hons) Philosophy-CBCS**

mester : **I**

ation : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

W ite your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

स प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *all* questions.

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss the distinctions between the orthodox and heterodox schools of thought in the Classical Indian Philosophy. Explain their common characteristics .

शास्त्रीय भारतीय दर्शन के आस्तिक तथा नास्तिक सम्प्रदायों के भेद की विवेचना कीजिए। इनकी सामान्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

P.T.O.

Or/(अथवा)

Discuss the nature of self according to Upaniṣads.

उपनिषदों में प्रतिपादित आत्मा की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

2. Discuss the main features of Cārvāka School of Philosophy.

चार्वाक दर्शन की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

Or/(अथवा)

Critically evaluate Buddhist theory of Dependent Origination.

बौद्ध दर्शन के प्रतीत्यसमुत्पादवाद की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

3. Examine the nature of knowledge according to Mimāṃsā.

मीमांसा दर्शन के अनुसार ज्ञान के स्वरूप की परीक्षा कीजिए।

Or/(अथवा)

Explain Sāṁkhya dualism of Prakṛiti and Puruṣa

सांख्य दर्शन के प्रकृति और पुरुष की व्याख्या कीजिए।

4. Explain the views of Saṁkara on the relation between Brahman and Māyā ?

शंकर के ब्रह्म और माया के सम्बन्धविषयक विचारों की व्याख्या कीजिए।

Or/(अथवा)

How does Rāmānuja refute the Māyāvāda of Saṁkara ?

रामानुज, शंकर के मायावाद का खंडन किस प्रकार करते हैं?

5. Write short notes on any *two* of the Following :

(1) Anekāntavāda

(2) Satkāryavāda

(3) Syadvāda

(4) Nature of knowledge according to Nyāya.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(1) अनेकान्तवाद

(2) सत्कार्यवाद

(3) स्याद्वाद

(4) न्याय दर्शन के अनुसार ज्ञान का स्वरूप।